# नवोन्मेष
## रुक्टा (राष्ट्रीय)


**राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ ( राष्ट्रीय )**
**( अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध )**

**website:** www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org, ructarashtriya@gmail.com

**केन्द्रीय कार्यालय** : देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004
**प्रधान कार्यालय** : सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर-305001 (राज.)
**अध्यक्ष** : डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत, बीकानेर मो. 9414452369, 9983007575
**महामंत्री** : डॉ. नारायणलाल गुप्ता, अजमेर मो. 9414497042


**परिपत्र क्र. : रुक्टा ( रा. )/2015-16/03 मार्गशीर्ष कृ. ५ वि. स. २०७२ तद्नुसार 30 नवम्बर, 2015**
**( सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित )**

प्रिय महोदय/महोदया,

सादर नमस्कार।

संगठन के 54वें अधिवेशन के आयोजन की सूचना एवं पिछले परिपत्र के पश्चात् विभिन्न शिक्षक समस्याओं के निवारण हेतु किए गए प्रयासों, संगठन के विभिन्न विभागों के सम्पन्न विभागीय सम्मेलनों की जानकारी, प्रदेश कार्यकारिणी बैठक के विवरण, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के नागपुर में सम्पन्न त्रैवार्षिक अधिवेशन के विवरण व अन्य आगामी कार्यक्रमों की सूचना के साथ यह परिपत्र प्रस्तुत है।

### आगामी कार्यक्रम

1. **54वाँ प्रान्तीय अधिवेशन 31 दिसम्बर 2015- 1 जनवरी 2016 को सीकर में आयोज्य** - *संगठन का 54वाँ प्रान्तीय अधिवेशन पौष कृष्ण ६ व ७ विक्रम संवत् २०७२ तदनुसार 31 दिसम्बर 2015 व 1 जनवरी 2016 को श्री कल्याण महाविद्यालय सीकर में आयोज्य है।* अधिवेशन के प्रथम दिन 31 दिसम्बर 2015 को उद्घाटन समारोह, देराश्री स्मृति व्याख्यान एवं खुला सत्र आयोजित किया जाएगा। 1 जनवरी 2016 को प्रात: 9.30 बजे शैक्षिक संगोष्ठी जिसका विषय **विकास की भारतीय अवधारणा** है, आयोजित की जायेगी। शिक्षक साथियों से आग्रह है कि संगोष्ठी हेतु अपना शोध पत्र info@ructarashtriya.org पर 27 दिसम्बर 2015 तक अवश्य भिजवाएं। निश्चित समयावधि में प्राप्त शोध पत्रों को ही मौखिक प्रस्तुति का अवसर प्राप्त हो सकेगा। शैक्षिक संगोष्ठी के पश्चात् समारोप कार्यक्रम सम्पन्न होगा। अधिवेशन के विभिन्न सत्रों में प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनैतिक व्यक्तित्वों, शिक्षाविदों एवं अखिल भारतीय अधिकारियों का सानिध्य प्राप्त होगा। *सभी शिक्षक साथियों से आग्रह है कि अधिवेशन में पूरे समय रुकने का मन बनाकर ही पधारें।* सभी इकाई सचिवों से आग्रह है कि स्थानीय इकाई की बैठक आयोजित कर प्राध्यापकों की समस्याओं से संबंधित प्रस्ताव बैठक में पारित करवा कर अधिवेशन तिथि से न्यूनतम 7 दिवस पूर्व महामंत्री को ई-मेल से भिजवायें। कार्यकारिणी के निर्णयानुसार इस वर्ष से अधिवेशन में रु. 200 प्रति संभागी पंजीयन शुल्क रखा गया है।
2. **कर्तव्य बोध दिवस आयोजन** - केन्द्र द्वारा वार्षिक कार्यक्रमों की रचना में प्रति वर्ष कर्तव्य बोध दिवस को व्यापक पैमाने पर सम्पन्न करने के लिए नियोजित किया है। शिक्षक-समाज स्वप्रेरणा से दायित्व निर्वहन के प्रति सजग हो, शिक्षा के हित में शिक्षक और शिक्षक के हित में समाज की आदर्श व्यवस्था कार्यरूप से पूर्णत: परिणित हो, ऐसा इस कार्यक्रम को आयोजित करने का उदेद्श्य है। प्रत्येक महाविद्यालय इकाई स्वामी विवेकानंद जयन्ती 12 जनवरी से लेकर नेताजी

सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती 23 जनवरी के मध्य कर्तव्य बोध दिवस योजनापूर्वक प्रेरणास्पद रूप से सम्पन्न करे, ऐसा आग्रह है। कार्यक्रम अनुमानित एक घंटे का हो, जिसमें शिक्षाविद्, संत, विचारक मुख्य वक्ता हो। कार्यक्रम में सभी वर्गों के प्रभावीजनों, शिक्षकों एवं उच्च कक्षाओं के छात्रों को सम्मिलित किया जाना चाहिए। कार्यक्रम पश्चात् प्रेस नोट एवं छायाचित्र प्रमुख समाचार पत्रों एवं महामंत्री को अवश्य भिजवाएं।

## शिक्षक समस्याओं के संबंध में संगठन की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1. **30 जून 2013 तक पात्र शिक्षकों के पे-बैंड-4 के आदेश जारी** - गत वर्ष नवम्बर माह में आयोजित वरिष्ठ व चयनित वेतनमान की स्क्रीनिंग के समय से ही संगठन ने अनेक बार उच्च शिक्षा मंत्री जी एवं विभाग के अधिकारियों से भेंट कर एवं पत्र लिख कर 30 जून 2010 तक चयनित वेतनमान में पदोन्नत महाविद्यालय शिक्षकों को बिना ए.पी.आई. अंक व किसी संवीक्षा प्रक्रिया के पे-बैंड-4 का लाभ प्राचार्य स्तर पर स्वीकृत करने की लगातार मांग की। संगठन द्वारा इस हेतु एम.एच.आर.डी. एवं यू.जी.सी. के स्पष्टीकरण भी सरकार को प्रस्तुत किये गए। संगठन के लगातार प्रयासों व दबाव की सकारात्मक परिणिति के रूप में 30 जून 2010 तक चयनित वेतनमान में पदोन्नत महाविद्यालय शिक्षकों को उनके द्वारा चयनित वेतनमान में 3 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर बिना किसी ए.पी.आई. अंक की आवश्यकता के प्राचार्य स्तर पर ही पे-बैंड-4 देने का आदेश क्र. एफ 1(102) पी एस/निकाशि/13/2565 दिनांक 10-11-2015 को आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा द्वारा जारी हो गया है एतदर्थ सरकार को आभार एवं लाभान्वित शिक्षकों को बधाई ।
2. **राज्यपाल महोदय से भेंट** - संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने दिनांक 6 अक्टूबर 2015 को राज्यपाल महोदय से भेंट कर विभिन्न विश्वविद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता सुधार हेतु रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति, सभी विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने के लिए संबद्ध महाविद्यालयों में कार्यरत पात्र शिक्षकों को पीएच.डी. सुपरवाईजर बनाने सहित शोध संबधी विभिन्न समस्याओं के निवारण, सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों को पीएच.डी. हेतु कोर्स वर्क में छूट देने, जोधपुर विश्वविद्यालय की सिंडिकेट व अन्य कमेटियों में संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों को प्रतिनिधित्व देने एवं सभी विश्वविद्यालयों के परीक्षा पारिश्रमिक में एकरूपता लाने का आग्रह किया। माननीय राज्यपाल महोदय ने संगठन के पक्ष को बहुत ध्यान से सुनते हुए सभी समस्याओं पर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।
3. **माननीय उच्च शिक्षामंत्रीजी से भेंट** - संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने 6 अक्टूबर तथा 25 नवम्बर को शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए उच्च शिक्षा मंत्रीजी से भेंट की। संगठन द्वारा पदनाम परिवर्तन में आ रही अडचनों पर मंत्रीजी से चर्चा करते हुए विभिन्न राज्यों में पदनाम स्थिति एवं इससे सम्बन्धित विभिन्न तथ्य मंत्रीजी के समक्ष रखे। मंत्रीजी ने बताया कि इस प्रकरण में वे स्वयं मुख्यमंत्रीजी से वार्ता कर चुके हैं एवं वित्त विभाग द्वारा मांगी गई जानकारियों को उच्चशिक्षा विभाग द्वारा सकारात्मक टिप्पणियों के साथ भिजवा दिया है। संगठन द्वारा मंत्रीजी के साथ 6 अक्टूबर की बैठक में हुई चर्चा के अनुरूप 30 जून 13 तक ड्यू पे-बैंड-4 के आदेश प्रसारित करने हेतु 25 नवम्बर की बैठक में आभार प्रकट किया गया। मंत्रीजी के साथ बैठकों में प्राचार्यो-उपाचार्यों की डी.पी.सी. शीघ्र करवाने, 30 जून 2013 के बाद के वरिष्ठ चयनित वेतनमान एवं पे-बैंड-4 के लिए शीघ्र स्क्रीनिंग करवाने, आर.वी.आर.ई.एस शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को हल करने, संतोषजनक ए.सी.आर. के आधार पर चयनित वेतनमान देने, पीएच.डी. लाभ मामले में सकारात्मक कार्यवाही करने, पूर्व सेवा का लाभ सभी प्रकरणों में देने, निदेशक अकादमिक पद पर शिक्षक की नियुक्ति सहित शेष लम्बित प्रकरणों को शीघ्र हल करने की मांग की गई।
4. **प्राचार्य/उपाचार्य पद की डी.पी.सी. शीघ्र** - संगठन लगातार प्रयासरत रहा है कि शिक्षकों को पदोन्नति लाभ समय पर प्राप्त हो एवं जिन महाविद्यालयों में प्राचार्य/उपाचार्य पद रिक्त है, उन महाविद्यालयों के सुचारू संचालन हेतु शीघ्र प्राचार्यों/उपाचार्यों की नियुक्ति की जाए। इस संबंध में संगठन ने प्राचार्य/उपाचार्य पद की डी.पी.सी. शीघ्र करवाने मांग लगातार पत्रों एवं भेंटवार्ताओं में की थी। संगठन के दबाव के चलते उच्च शिक्षा विभाग ने आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ कर दी है, संगठन को आशा है कि शीघ्र ही प्राचार्य/उपाचार्य पद पर डी.पी.सी. पूर्ण कर रिक्त पदों पर पदस्थापन कर दिया जाएगा।

5. **महाविद्यालयों में सेवानिवृत्त व्याख्याताओं एवं कार्मिकों की सेवाएं संविदा पर प्रारम्भ** – प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्यों को निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए लोक सेवा आयोग से नियमित चयन होने तक संगठन ने रिक्त पदों को अस्थाई तौर पर सेवानिवृत्त व्याख्याताओं एवं कार्मिकों से भरने की मांग की थी। संगठन की मांग के अनुरूप आयुक्तालय ने सेवानिवृत्त व्याख्याताओं एवं कार्मिकों को रिक्त पदों पर संविदा पर रखने की प्रक्रिया प्रारम्भ की थी। इसी श्रृंखला में आयुक्तालय ने आवेदनों के आधार पर 64 सेवानिवृत्त व्याख्याताओं, 32 मंत्रालयिक कर्मचारियों, 27 प्रयोगशाला सहायकों एवं 13 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की संविदा पर नियुक्ति के आदेश प्रसारित कर दिए है। संगठन को उम्मीद है कि शीघ्र ही शेष रिक्त पदों पर भी संविदा नियुक्ति का कार्य पूर्ण होगा एवं राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा भी शीघ्र ही व्याख्याताओं के 1290 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया भी पूर्ण हो सकेगी।

6. **आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की मांग** – संगठन लगातार आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की मांग करता आ रहा है। संगठन ने पुन: अलग-अलग पत्रों एवं वार्ताओं के माध्यम से उच्च शिक्षा मंत्रीजी से आर.वी.आर.ई.एस. में नियुक्त शिक्षकों को उनकी अनुदानित पद पर सेवा अवधि के छठे वेतनमान के एरियर हेतु अनुदान, पूर्व संचित उपार्जित अवकाश नकदीकरण हेतु अनुदान उपलब्ध करवाने अथवा व्यापक शिक्षक हित में उपार्जित अवकाश एवं मेडिकल अवकाश को राज्य सेवा में अग्रनीत करने की मांग की है। संगठन ने आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों के सी.ए.एस. के लाभ के आदेश भी अविलंब प्रसारित करने की मांग की है।

7. **30 जून 2013 के बाद ड्यू वरिष्ठ/चयनित वेतनमान एवं पे-बैंड-4 की स्क्रीनिंग की मांग** – संगठन ने उच्च शिक्षा मंत्रीजी से आग्रह किया है कि उच्च शिक्षा विभाग में सी.ए.एस. की स्क्रीनिंग समयबद्ध नहीं हो रही है। इसके कारण शिक्षकों को उनका वित्तीय अधिकार नही मिल रहा है। संगठन ने मांग की है कि जिन महाविद्यालय शिक्षकों के 30 जून 13 के बाद वरिष्ठ/ चयनित वेतनमान व पे-बैंड-4 ड्यू है उनकी संवीक्षा शीघ्र करवाई जाए एवं भविष्य में यू.जी.सी. के निर्देशानुसार वर्ष में दो बार संवीक्षा आयोजित की जाए।

8. **आर.वी.आर.ई.एस. 2010 के तहत राज्य सेवा में नियुक्ति का विकल्प नहीं देने वाले शिक्षकों के पद पर अनुदान दिया जाए** – आर.वी.आर.ई.एस. 2010 में अनुदानित महाविद्यालय से राजकीय महाविद्यालय में नियुक्ति का विकल्प कुछ शिक्षक साथियों द्वारा नहीं दिया गया एवं वे पूर्व अनुदानित संस्था में ही कार्यरत रहे। राज्य सरकार ने सभी पूर्व अनुदानित शिक्षक संस्थाओं का अनुदान 15 फरवरी 2012 से बंद कर दिया जिससे उन शिक्षक साथियों के वेतन भुगतान का संकट उत्पन्न हो गया। संगठन द्वारा ऐसे शिक्षक साथियों के पदों पर उनकी सेवानिवृत्ति तक अनुदान पुन: प्रारम्भ करने की मांग की है। संगठन द्वारा आर.वी.आर.ई.एस. 2010 में राज्य सेवा का विकल्प नहीं देने वाले शिक्षकों के पद पर अनुदान जारी करने के समर्थन में उच्च न्यायालय के निर्णय को भी राज्य सरकार को प्रस्तुत किया है।

9. **सी.ए.एस. हेतु रिफ्रेशर/ऑरियन्टेशन कार्यक्रम की छूट 31 दिसम्बर 2015 तक बढ़ाने की मांग** – संगठन ने मानव संसाधन विकास मंत्रीजी को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि कतिपय कारणों से कुछ शिक्षक समय पर रिफ्रेशर/ऑरियन्टेशन कार्यक्रम में हिस्सा नहीं ले पाए हैं अत: व्यापक हित में रिफ्रेशर/ऑरियन्टेशन कार्यक्रम की छूट 31 दिसम्बर 2015 तक बढ़ाई जाए।

10. **भरतपुर के राजकीय महाविद्यालयों में अभियान्त्रिकी महाविद्यालयों की परीक्षा करवाने का विरोध** – नवम्बर 15 से जनवरी 16 तक भरतपुर के दोनों राजकीय महाविद्यालयो में भरतपुर के राजकीय व निजी अभियांत्रिकी महाविद्यालयों की सेमेस्टर परीक्षाएं करवाने का संगठन ने विरोध किया हैं। संगठन का मत है कि शैक्षिक सत्र की कक्षाओं की दृष्टि से सबसे महत्त्वपूर्ण समय में परीक्षाओं का आयोजन विद्यार्थियों के साथ अन्याय पूर्ण है तथा इसका राज्य की उच्च शिक्षा पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। संगठन ने उच्च शिक्षामंत्रीजी को पत्र लिख कर अपने मत से अवगत करवाते हुए प्रकरण में हस्तक्षेप कर भरतपुर के राजकीय महाविद्यालयों में अभियांत्रिकी महाविद्यालयों का केन्द्र हटाने का आदेश प्रसारित करने का आग्रह किया है।

11. **नवगठित कृषि विश्वविद्यालयों में कुलपति पद पर नियुक्ति हेतु योग्यता राज्य के अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के समान करने की मांग** – पिछले वर्षों में राज्य में नवगठित 3 कृषि विश्वविद्यालयों के आर्डिनेंस में कुलपति पद पर नियुक्ति हेतु अव्यवहारिक शर्ते होने के कारण संगठन ने माननीय राज्यपाल महोदय, उच्च शिक्षा मंत्रीजी एवं कृषि मंत्रीजी को पत्र लिख कर अव्यवहारिक शर्ते हटाने एवं पूर्व के शासकीय कृषि विश्वविद्यालयों में समान ही योग्यता रखने की मांग की है।

## सांगठनिक एवं वैचारिक गतिविधियाँ

1. **विभागीय सम्मेलन** – प्रदेश की योजना के अनुसार रुक्टा (राष्ट्रीय) के अलवर, भरतपुर, जयपुर–प्रथम, जयपुर–द्वितीय, जोधपुर, पाली, उदयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, एवं कोटा विभागों के विभाग सम्मेलन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुए।

राजकीय कला महाविद्यालय अलवर में आयोजित **अलवर विभाग** के सम्मेलन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति – आवश्यकता व स्वरूप विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए शैक्षिक मंथन पत्रिका के सम्पादक प्रो. संतोष पाण्डे ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति राष्ट्रीय भावना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, कौशल विकास, रोजगार सृजन, मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा, मानवीयता, आधुनिक तकनीकी ज्ञान व प्रौद्योगिकी सम्पन्नता जैसे मूल आधारों पर केन्द्रित होनी चाहिए, जिससे देश की युवा पीढ़ी राष्ट्र निर्माण की अहम जिम्मेदारी निभाने योग्य बन सके। सम्मेलन के खुले सत्र में प्रतिभागी व्याख्याताओं ने संगठन व सेवा शर्तों से सम्बन्धित समस्याएं एवं सुझाव प्रस्तुत किए। इस सत्र की अध्यक्षता प्रदेश संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट ने की। प्रदेश संयुक्त सचिव डॉ. गंगाश्याम गुर्जर ने शिक्षक समस्याओं के निराकरण में संगठन के प्रयासों से अवगत करवाया। सम्मेलन में स्थानीय महाविद्यालयों के प्राचार्य डॉ. शशिकान्त शर्मा, डॉ. दीपचन्द गुप्ता, डॉ. ज्योति सिन्हा के अतिरिक्त प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. रचना असोपा, विभाग अध्यक्ष डॉ. हनुमान सहाय, विभाग सचिव डॉ. कर्मवीर सिंह, विभाग सहसचिव डॉ. अजय कुमार शर्मा, महिला प्रतिनिधि डॉ. ऋतु गुप्ता, प्रचार प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. शशिकान्त गुप्ता एवं इकाई सचिवों सहित विभिन्न महाविद्यालयों के 150 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

राजकीय महाविद्यालय कोटा में सम्पन्न **कोटा विभाग** के सम्मेलन में शाश्वत जीवन मूल्यों की शिक्षा विषय पर मुख्य वक्तव्य देते हुए कोटा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. परमेन्द्र दशोरा ने कहा कि जीवन तभी सार्थक हो सकता है जब वह शाश्वत जीवन मूल्यों से प्रेरित हो। उन्होंने कहा कि जीवन मूल्य आज पाठ्यक्रम का विषय नहीं वरन् आचरण का विषय है। सम्मेलन के द्वितीय सत्र में शिक्षा एवं शिक्षकों की समस्याओं पर संभागियों द्वारा गंभीर विचार मंथन किया गया। संगठन के द्वारा किए गए कार्यों एवं प्रयासों की विस्तृत जानकारी महामंत्री ने दी। अध्यक्षीय उद्‌बोधन प्राचार्य डॉ. टी. सी. लोया ने दिया। सम्मेलन में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मंजू गुप्ता, विभाग अध्यक्ष डॉ. विजय पंचोली, विभाग सचिव डॉ. गीताराम शर्मा, विभाग सहसचिव डॉ. राहुल सक्सेना, महिला प्रतिनिधि डॉ. मीनू माहेश्वरी, डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. बी. बी. जैमिनी, डॉ. नारायण हेड़ा, डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. जे. पी. चौधरी, डॉ. राजेन्द्र माहेश्वरी, डॉ. प्रहलाद दुबे आदि ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

राजकीय महाविद्यालय, जोधपुर में आयोजित **जोधपुर विभाग** के सम्मेलन के प्रथम सत्र में विद्या भारती जोधपुर प्रांत के संगठन मंत्री श्री चन्द्रशेखर मुख्य वक्ता थे। उन्होंने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षकों की भूमिका विषय पर उद्‌बोधन देते हुए कहा कि विद्यार्थी अपने शिक्षक के आचरण व चरित्र से सीख लेता है अत: शिक्षक को स्वयं मात्र वेतनभोगी कर्मचारी समझने की मानसिकता से बाहर आकर मनुष्य निर्माण में अपनी वृहद् भूमिका को पहचानते हुए अपने आचरण पर विशेष ध्यान रखना होगा। सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सतीश चन्द्र शर्मा ने की। द्वितीय सत्र में शिक्षक समस्याओं के समाधान में संगठन के प्रयासों को संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह द्वारा रखा गया। उपस्थित संभागियों को संगठन उपाध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण शर्मा ने भी संबोधित किया। संभाग संगठन मंत्री डॉ. हरिसिंह राजपुरोहित एवं विभाग अध्यक्ष डॉ. ओम प्रकाश देवासी द्वारा विषय परिचय प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन विभाग सचिव डॉ. बलवीर चौधरी ने किया।

**भरतपुर विभाग** का सम्मेलन महारानी श्री जया राजकीय महाविद्यालय भरतपुर में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन के प्रथम सत्र में शाश्वत जीवन मूल्य विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में उद्‌बोधन देते हुए डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा ने कहा कि व्यष्टि, समष्टि, सृष्टि एवं परमेष्टि सभी के अपने-अपने जीवन मूल्य है इन जीवन मूल्यों की साधना के बिना कोई भी व्यक्ति समाज या राष्ट्र समुत्कर्ष प्राप्त नहीं कर सकता है। सत्र की अध्यक्षता उपाचार्य डॉ. मिथलेश गुप्ता ने की। सम्मेलन के द्वितीय सत्र में महामंत्री ने शिक्षकों की समस्याओं की वर्तमान स्थितियों एवं उनके समाधान हेतु संगठन के प्रयासों को विस्तार से बताया। इस सत्र की अध्यक्षता कन्या महाविद्यालय भरतपुर के प्राचार्य डॉ. अशोक बंसल ने की। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य डॉ. ओ. एन. श्रीवास्तव का सम्मान भी किया गया। सम्मेलन में संभाग संगठन मंत्री डॉ. सतीश त्रिगुणायत, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. जग्गोसिंह, महिला प्रतिनिधि डॉ. विजय लक्ष्मी शर्मा, डॉ. रजनी वशिष्ठ, डॉ. गिर्राज मीणा, डॉ. योगेश वशिष्ठ सहित 100 से अधिक सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन विभाग सचिव डॉ. योगेन्द्रकुमार भानु एवं विभाग सहसचिव डॉ. महेन्द्र कुमार ने किया। धन्यवाद डॉ. अनिल सक्सेना ने ज्ञापित किया।

राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय उदयपुर में **उदयपुर विभाग** के विभाग सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय संघचालक डॉ. भगवती प्रकाश शर्मा थे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं शाश्वत जीवन मूल्य विषय पर अपने उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शाश्वत मूल्यों की महत्ता को सम्मिलित करने से ही भारत पुनः एक बार अपनी शिक्षा के दम पर विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने कहा कि हम विश्व के सबसे युवा देश है और विश्व में ज्ञान आधारित उद्योगों में 2017 तक जो बड़ी संख्या में स्थान रिक्त होंगे उनकी पूर्ति भारत ही करेगा। किन्तु जब तक हम विद्यार्थियों में जीवन मूल्यों को व्यवहार में उतारने की शिक्षा नहीं देंगे तब तक समाज में बड़ा परिवर्तन नहीं आ सकता है। खुले सत्र में शिक्षकों की समस्याओं पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह एवं चित्तौड़ संभाग संगठन मंत्री डॉ. सुशील कुमार बिस्सू ने सभी समस्याओं पर संगठन का पक्ष रखते हुए समाधानात्मक विचार प्रस्तुत किए। सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. रेखा भट्ट, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सुदर्शन राठौड़, विभाग अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर आमेटा, विभाग सचिव डॉ. मनोज बहरवाल, विभाग सहसचिव डॉ. अशोक सोनी एवं डॉ. भवशेखर, प्रदेश प्रचार प्रकोष्ठ सदस्य डॉ. सतीश आचार्य की सक्रिय सहभागिता रही। सम्मेलन में 14 महाविद्यालयों से 119 सदस्य उपस्थित थे।

**जयपुर-प्रथम विभाग** का विभागीय सम्मेलन देराश्री शिक्षक सदन राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता रुक्टा (राष्ट्रीय) के पूर्व अध्यक्ष एवं शैक्षिक मंथन पत्रिका के संपादक प्रो. संतोष पाण्डे ने रुक्टा (राष्ट्रीय) एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की शैक्षिक यात्रा का विवरण देते हुए संगठन के वैचारिक अधिष्ठान को स्पष्ट किया। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शाश्वत जीवन मूल्यों के समावेश पर जोर देते हुए कहा कि हमें भारत की युवा पीढ़ी को आधुनिकतम ज्ञान व विज्ञान की शिक्षा जीवन मूल्यों की नींव पर स्थापित करते हुए ही देनी होगी, तभी हम भारत को विश्व गुरु के सिंहासन पर पुनः विराजमान कर सकते हैं। विषय प्रवर्तन डॉ. सोमकान्त भोजक ने किया। सम्मेलन के द्वितीय सत्र में संगठनात्मक एवं शिक्षक समस्याओं से सम्बन्धित गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा संगठन महामंत्री ने रखा। सम्मेलन में अनेक शिक्षक साथियों ने अपने विचार एवं जिज्ञासाएं प्रस्तुत की। सम्मेलन में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. राजीव सक्सेना, प्रदेश संयुक्त सचिव डॉ. सरस्वती मित्तल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. संजीव त्यागी, डॉ. के. बी. बंसल, डॉ. रामनिवास चौधरी, डॉ. दिलीप गोयल, विभाग अध्यक्ष डॉ. पप्पूलाल गुप्ता, विभाग सचिव डॉ. राजेश जांगिड़, विभाग सह सचिव डॉ. राकेश शर्मा, महिला प्रतिनिधि डॉ. संगीता सिन्हा सहित सौ से अधिक व्याख्याता उपस्थित थे।

सेठ आर.एल. सहरिया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कालाडेरा में **जयपुर-द्वितीय विभाग** का विभागीय सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन के उद्‌घाटन सत्र में प्रो. संतोष पाण्डे ने ''वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हमारी भावी शिक्षा नीति'' विषय

पर मुख्यवक्ता के रूप में वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि हमारी भावी शिक्षा नीति में राष्ट्रीय भावना, कौशल विकास, रोजगार सृजन, भारतीय संस्कृति तथा आधुनिक तकनीकी ज्ञान व प्रौद्योगिकी का समन्वय होना चाहिए तभी युवा पीढ़ी राष्ट्र निर्माण की अहम जिम्मेदारी निभाने योग्य बन सकती है। सत्र की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत ने की। इससे पूर्व सरस्वती स्तवन के बाद आयोजन अध्यक्ष डॉ. आर. एस. माथुर एवं विभाग अध्यक्ष श्री गिरधारी लाल ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। विभाग सचिव डॉ. विजय गोयल ने विभाग की संरचना एवं गतिविधियों की जानकारी दी। खुला सत्र की शुरुआत आयोजन सचिव डॉ. राकेश लाटा ने करते हुए सदस्यों की विभिन्न समस्याओं के बारे में बताया। सम्मेलन में आए अन्य शिक्षक साथियों ने भी अपने विचार एवं जिज्ञासाएँ सदन में रखी। सगंठन के महामंत्री ने शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की वर्तमान स्थितियों एवं उनके समाधान हेतु संगठन के प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। इस सत्र में संगठन उपाध्यक्ष प्रो. सुमित्रा पारीक भी मंचासीन रही। इसके उपरांत सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह में इस वर्ष सेवानिवृत्त हुए शिक्षक डॉ. रणजीत सिंह, श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, डॉ. अनिला जैन, डॉ. कमर सुल्ताना, श्री मोहम्मद अहमद एवं डॉ. राधेश्याम माहेश्वरी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीषा शर्मा व डॉ. मोनिका मिश्रा ने किया। स्थानीय इकाई सहसचिव डॉ. सुमन भाटिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

**अजमेर विभाग** का सम्मेलन सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय ब्यावर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. बी. पी. सारस्वत ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त किये। इसी सत्र में विभाग सचिव प्रो. अनिलकुमार गुप्ता ने भी नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डाला। सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. नलिनी यादव ने की। द्वितीय सत्र में शाश्वत जीवन मूल्य विषय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य प्रो. पुरुषोत्तम जी परांजपे ने उद्बोधन दिया। उन्होंने मूल्य आधारित जीवन को ही सार्थक जीवन बताते हुए उपस्थित शिक्षकों से विद्यार्थियों का रोल मॉडल बनने का आह्वान किया। सम्मेलन के तृतीय सत्र में शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चा की गई। जिसमें संगठन के संयुक्त मंत्री डॉ. गंगा श्याम गुर्जर एवं संभागीय संगठन मंत्री डॉ. सुशील कुमार बिस्सू ने समस्याओं के निवारण के लिए संगठन द्वारा किये गये प्रयासों को विस्तृत रूप से सदन के समक्ष रखा। सम्मेलन में विभागीय अध्यक्ष प्रो. पुखराज देपाल, प्रधान कार्यालय मंत्री डॉ. अतुल कुमार शर्मा, प्रान्तीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. महेन्द्र कुमार गोखरु, विभाग सह सचिव डॉ. मन्दरूप देवड़ा एवं प्रो. अतुल अग्रवाल तथा महिला प्रतिनिधि डॉ. मधु गुप्ता आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

**पाली विभाग** का सम्मेलन राजकीय महाविद्यालय, सिरोही में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में शाश्वत जीवन मूल्य विषय पर महामंत्री ने विचार व्यक्त करते हुए इसे समाज का आंदोलन बनाने का आह्वान किया। विषय की प्रस्तावना संभाग संगठन मंत्री डॉ. हरिसिंह राजपुरोहित ने रखी एवं अध्यक्षता कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. के. के. शर्मा ने की। द्वितीय सत्र में संगठन की कार्यपद्धति एवं विभिन्न शिक्षक समस्याओं पर चर्चा की गई। महामंत्री ने विभिन्न शिक्षक समस्याओं पर संगठन के प्रयासों से अवगत करवाते हुए संगठन की उपलब्धियों की जानकारी दी। विभाग अध्यक्ष डॉ. भंवरसिंह राठौड़ ने सदन को संबोधित करते हुए संगठन की कार्यपद्धति के बारे में बताया। विभाग सचिव डॉ. संजय पुरोहित ने विभाग के कार्यक्रमों और गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन इकाई सचिव प्रो. कैलाश गहलोत ने किया।

**भीलवाड़ा विभाग** का सम्मेलन एम. एल. वी. राजकीय महाविद्यालय, भीलवाड़ा में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. श्याम सुन्दर भट्ट ने उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि हजारों वर्ष पुरानी भारतीय जीवन पद्धति एवं शाश्वत जीवन मूल्य ही मानवता का कल्याण करेंगे। समारोह के तीनों सत्रों की अलग-अलग अध्यक्षता प्रो. बी. एल. मालवीय, डॉ. चित्रा भार्गव एवं प्रो. के. सी. लढ्ढा ने की। खुले सत्र में शिक्षक समस्याओं पर चर्चा की गई। जिसमें विभाग सह सचिव डॉ. पुष्कर्राज मीणा, महिला प्रतिनिधि डॉ. बीना सक्सेना, प्रो. कैलाश दरोगा सहित विभिन्न सदस्यों ने अनेक समस्याएं रखी। प्रदेश के संयुक्त मंत्री डॉ. गंगाश्याम गुर्जर एवं संभागीय संगठन मंत्री

डॉ. सुशील कुमार बिस्सू ने संगठन के प्रयासों एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए लम्बित समस्याओं पर संघर्ष के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। सम्मेलन में प्रान्तीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. कश्मीर भट्ट, विभाग अध्यक्ष प्रो. कोमलसिंह मेहता एवं विभाग सचिव प्रो. सावन जांगिड़ ने भी संबोधित किया।

2. **अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का छठा राष्ट्रीय अधिवेशन नागपुर ( महाराष्ट्र ) में सम्पन्न** – अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का तीन दिवसीय (9 से 11 अक्टूबर, 2015) छठा राष्ट्रीय अधिवेशन रेशिम बाग, नागपुर (महा.) में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में देश भर के 25 राज्यों एवं 60 विश्वविद्यालयों के करीब 1800 संभागियों ने भाग लिया। अधिवेशन का उद्घाटन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं के अनुकूल शिक्षा प्रदान करने के लिए हमें उसकी तह तक पहुँचना होगा। उन्होंने महासंघ के क्रियाकलापों की प्रशंसा करते हुए इस बात पर बल दिया कि महासंघ सामाजिक एवं शैक्षिक परिवर्तन का संवाहक बनें। अधिवेशन में दायित्वानुसार, प्रान्तश: एवं संवर्गश: बैठकें सम्पन्न हुई तथा शिक्षा एवं शिक्षकों की समस्याओं पर गहन विचार विमर्श कर महासंघ द्वारा इनके समाधान के लिए किये जाने वाले प्रयासों के संबंध में निर्णय लिया गया। महासंघ के महामंत्री प्रो. जगदीश प्रसाद सिंघल ने शिक्षा एवं शिक्षकों की समस्याओं के संबंध में अब तक के प्रयासों की विस्तार से जानकारी प्रदान की। महासंघ के वैचारिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी महासंघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री माननीय महेन्द्र कूपर द्वारा प्रदान की गई। महासंघ द्वारा समसामयिक शैक्षिक एवं सामाजिक विषयों पर तीन प्रस्ताव पारित हुए। ये प्रस्ताव हैं – 1. शिक्षा, एकात्ममानव का निर्माण करने वाली हो। 2. बाबा साहब अम्बेड़कर के शैक्षिक विचारों को कार्यक्षेत्र में उतारें तथा 3. शिक्षा एवं शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण किया जाये। इन प्रस्तावों को केन्द्रीय सरकार को भेजने का निर्णय भी लिया गया।

महासंघ द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण कार्य करने वाले तीन शिक्षकों डॉ. प्रभाकर लक्ष्मण गावडे (महा.), प्रो. जी.एस. मुडंबडित्ताया (कर्नाटक) एवं ताई इन्दुमती काटदरे (गुजरात) को 'शिक्षा-भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान विक्रम संवत् 2072 प्रदान किया गया। सम्मान समारोह के अतिथि भारत सरकार के भूतल परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री श्री नितिन गडकरी एवं विवेकानंद विश्वविद्यालय के कुलपति स्वामी आत्मप्रियानंदजी रहे।

महासंघ के वैचारिक अधिष्ठान को पुष्ट करने वाले तीन विषयों पर श्रेष्ठ महानुभावों का पाथेय प्राप्त हुआ। 'शिक्षा की चुनौतियों' विषय पर माननीय बजरंग लाल गुप्त ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा की चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने के लिए भारत केन्द्रित शिक्षा को अपनाना होगा जिसकी प्रकृति, परिवेश एवं संसाधन भारतीय हो। 'शाश्वत जीवन मूल्य' विषय पर विवेकानंद विश्वविद्यालय के कुलपति स्वामी आत्मप्रियानंदजी का उद्बोधन हुआ। उन्होंने कहा कि जीवन मूल्यों को अपनाने से ही मानव और राष्ट्र का कल्याण होगा। जीवन मूल्यों वाली शिक्षा ही राष्ट्र को समृद्ध बना सकती है। 'डॉ. बाबा साहब अम्बेड़कर का शैक्षिक अवदान' विषय पर माननीय हनुमान सिंह जी राठौड़ का शोधपरक उद्बोधन मिला। आपने अपने उद्बोधन में बताया कि आज हम शिक्षा एवं समाज के जिस संबंध में बात कर रहे हैं वह डॉ. अम्बेड़कर जी ने बहुत पहले ही बता दिया था। छात्रावास खोलने, पुस्तकालयों की स्थापना करने, कौशल विकास, शिक्षा के बजट में वृद्धि, नि:शुल्क एवं अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, सर्वव्यापी एवं सर्वस्पर्शी शिक्षा, तकनीकी शिक्षा के लिए अनुदान प्रदान करने की बात पर बाबा साहब अम्बेड़कर जी ने बल दिया था। समारोप कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सम्पर्क प्रमुख मा. प्रो. अनिरुद्ध जी देशपाण्डे का पाथेय प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि महासंघ शिक्षा का पुन: निर्माण करने वाला संगठन है इसलिए हमारे शिक्षा के दर्शन में मानव निर्माण, चरित्र निर्माण एवं देश के पुन: निर्माण की संकल्पना सम्मिलित है। सम्मेलन में रुक्टा (राष्ट्रीय) के 62 कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभाग किया।

3. **प्रान्तीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न** – रुक्टा (राष्ट्रीय) की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह की अध्यक्षता में 22 नवम्बर 2015 को श्री कल्याण राजकीय महाविद्यालय, सीकर में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम महामंत्री ने गत बैठक का कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह ने नागपुर में सम्पन्न राष्ट्रीय अधिवेशन की जानकारी देते हुए संगठन की प्रतिष्ठानुरूप और अधिक जिम्मेदारी से कार्य करने का आह्वान किया। महामंत्री ने गत बैठक के पश्चात् सम्पन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों का ब्यौरा सदन के समक्ष रखा। इसके बाद सितम्बर–अक्टूबर माह में सम्पन्न विभागीय सम्मेलनों की समीक्षा की गई। सम्पन्न विभागीय सम्मेलनों के आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए इस प्रकार की गतिविधियाँ नियमित रूप से करने का मंतव्य प्रकट किया गया। इसके पश्चात् सदस्यों ने विभिन्न शिक्षक समस्याओं पर गंभीर विचार विमर्श किया। सदस्यों ने संगठन की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शेष समस्याओं के निराकरण हेतु और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता जताई। बैठक के अगले सत्र में प्रदेश अधिवेशन हेतु विभिन्न इकाईयों से आए प्रस्तावों पर चर्चा कर इस वर्ष का अधिवेशन 31 दिसम्बर 2015 से 1 जनवरी 2016 तक श्री कल्याण राजकीय महाविद्यालय, सीकर में आयोजित किया जाना तय किया गया। *कार्यकारिणी की पिछली बैठक में लिए गये निर्णय के अनुरूप अधिवेशन में प्रतिभागी शुल्क रु. 200/- तय किया गया। यह भी सर्वसम्मत विचार रहा कि इकाई के प्रस्तावों को न्यूनतम 7 दिन पूर्व केवल ई–मेल से भिजवाया जाए। कार्यकारिणी ने डॉ. भीमराव अम्बेड़कर की 125वीं जयंती वर्ष में इस अधिवेशन को समरसता विषय पर केन्द्रित किये जाए का निश्चय किया।*

समापन सत्र में कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय सिंह ने कहा कि संगठन ने निरन्तर कार्य करते हुए अनेक उपलब्धियाँ अर्जित की है किन्तु साथ ही समस्याओं की सूची भी बढ़ी है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से शिक्षक हित में पूर्ण मनोयोग से कार्य करने का आह्वान किया। कार्यकारिणी बैठक में शैक्षिक मंथन पत्रिका के प्रधान संपादक प्रो. संतोष पाण्डेय भी उपस्थित थे। अंत में गत बैठक के बाद दिवंगत शिक्षक साथी प्रो. रामरतन गोयल अलवर एवं प्रो. आशा जगदीश अजमेर के असामयिक निधन पर दो मिनट मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई। सामूहिक कल्याण मंत्र एवं अध्यक्ष जी को धन्यवाद के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

सीकर अधिवेशन में आपसे साक्षात् मिलने की कामना के साथ।

**भवदीय**

(डॉ. नारायणलाल गुप्ता)

**20, चित्रकूट कॉलोनी,**
**माकड़वाली रोड़, अजमेर-305004**

**अमृत वचन**

***विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ प्राप्त करना शिक्षा के उद्देश्य एवं आवश्कताओं में से केवल एक है और वह भी केन्द्रीय नहीं। शिक्षा का केन्द्रीय उद्देश्य है–मानव मन और आत्मा को शक्तिशाली बनाना। मैं अपने शब्दों में कहना चाहूँ तो वह उद्देश्य है–ज्ञान, चरित्र और संस्कृति : तीनों का प्रबोधन।***

***– 'महर्षि अरविन्द'***